दृश्य कला संकाय

दृश्य कला संकाय (स्थापित १९५०), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, भारतवर्ष के प्रमुखतम् कला संस्थानों में है, जहाँ ललित कला के मुख्य पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक कला, चित्रकला, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, प्लास्टिक आर्ट (मूर्तिकला) तथा पॉटरी-सिरेमिक में स्नातक (बीएफए) और परास्नातक (एमएफए) की उपाधियाँ प्रदान की जाती हैं। संकाय परास्नातक के उपरान्त परास्नातकोत्तर (डॉक्टोरल) पाठयक्रम के अर्न्तगत शोध-कार्य के अवसर भी प्रदान करता है। दृश्य कला का इतिहास एवं रूपांकन एक आवश्यक विषय के रूप में, स्नातक एवं परास्नातक के साथ कला की समस्त शाखाओं में शोध के अवसर प्रदान करता है। दृश्य कला संकाय उन गिने चुने संस्थानों में से एक है, जहाँ उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों में परास्नातक की उपाधि प्रदान करने की विशिष्टता के कारण, न केवल सम्पूर्ण भारत, बल्कि **सार्क राष्ट्रों** (एसएएआरसी) एवं दूरस्थ अमेरिका-यूरोप के छात्र भी इसकी ओर आकर्षित होते हैं। यह संस्थान अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों में सृजनात्मक विचारों को विकसित करने के साथ उनमें उद्यमशीलता को भी बढ़ावा देने का सतत् प्रयास कर रहा है, जिससे छात्र समाज में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए सार्थक चिंतन के साथ, समग्र राष्ट्र की समसामयिक कलात्मक गतिविधियों में परस्पर सामंजस्य स्थापित कर सकें। इसे और तर्क संगत बनाने के लिए सेमेस्टर प्रणाली के वैश्विक अनुरूप माध्यम से शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया गया है जिससे छात्र समसामयिक कलात्मक गतिविधियों को आत्मसात करते हुए देश की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बीएफए एवं एमएफए स्तर के निर्धारित सभी पाठ्यक्रम रोजगार परक हैं, तथा समस्त उपाधि धारक देश-विदेश में विभिन्न नियोजकों द्वारा रोजगार प्राप्त कर अपनी दक्षता का परिचय देते आ रहे हैं। शिक्षणेत्तर गतिविधियों, में संकाय की भूमिका उल्लेखनीय रही है। अंतर्विश्वविद्यालयीय पूर्वी क्षेत्र महोत्सव में ललित कला प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठता के साथ राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रशंसनीय कार्य किया। अंतर संकायीय युवा महोत्सव स्पंदन २०१२ में संकाय समस्त संकायों में उपविजेता रहा।

अस्तु, वर्तमान सत्र विश्वविद्यालय तालिका के अनुसार निर्दिष्ट तिथियों के अनुरूप, १० मई २०१२ तक सफलतापूर्वक पूर्ण कर संकाय ने महामना पं. मदन मोहन मालवीयजी के १५०वीं जयंती वर्ष को समर्पित अनेकानेक कार्यक्रमों का सफलता पूर्वक आयोजन किया है। वर्तमान सत्र २०११-१२ के दौरान शैक्षिक व पाठ्येत्तर कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों के अनुरूप, समय सीमा के अन्दर बिना किसी विलम्ब अथवा रूकावट के सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया।